जैसे : मोहन से अब दूध पिया नहीं जा रहा है। (कर्ता से)
इस वाक्य में वाच्य-बिंदु 'दूध' (कर्म) है। अत: यह कर्मवाच्य वाक्य है। कुछ अन्य उदाहरण इस प्रकार है:
मिठाई दे दी गई है। (कर्ता का लोप)
पतंग बहुत अच्छी तरह उड़ रही है। (कर्ता का लोप)
हमसे सुंदर चित्र देखे गए। (कर्ता + से)
रोगी को भोजन दिया गया। (कर्ता का लोप)
यह उपन्यास प्रेमचंद द्वारा लिखा गया (कर्ता + द्वारा)

ब. भाववाच्य : इस वाक्य में वाच्य-केन्द्र क्रिया हो अर्थात् जहाँ न कर्ता की प्रधानता हो न कर्म की बल्कि जहाँ क्रिया का 'भाव' ही मुख्य हो उसे भाववाच्य कहते हैं। भाववाच्य की क्रिया सदा अन्य पुरुष, पुल्लिंग एकवचन में रहती है।
जैसे: मुझसे अब चला नहीं जाता।
यहाँ चलने की असमर्थता ही प्रमुख है, कर्ता नहीं।
अत: यह भाववाच्य वाक्य है।
अन्य उदाहरण:
बच्चों में नहाया जाता है।
अब चला जाए।
राधा से रात भर कैसे जागा जाएगा।

मुख्य बिंदु :

क) कर्तृवाच्य में सकर्मक और अकर्मक दोनों प्रकार की क्रियाओं का प्रयोग होता है।
ख) कर्मवाच्य में सकर्मक क्रियाओं का प्रयोग होता है।
ग) भाववाच्य में केवल अकर्मक क्रियाओं का प्रयोग होता है।

Scanned with CamScanner

कर्मवाच्य के प्रयोग स्थल :

क) जब कर्ता का निश्चित रूप से पता न हो या किसी कारणवश उसका उल्लेख न करना चाहते हों।
जैसे : डाकपेटी में चिट्ठी डाल दी गई है।
ख) जब आपके बिना चाहे कोई कर्म अचानक हो गया हो।
जैसे : क) शीशा गिर गया और टूट गया।
ख) शीशे का गिलास टूट गया।
ग) जब कर्ता स्वतंत्र रूप से कोई व्यक्ति नहीं बल्कि कोई व्यवस्था या तंत्र (सभा, समिति, सरकार आदि) हो।
जैसे : क) सरकार द्वारा गरीबों के लिए बहुत से काम किए जा रहे हैं।
ख) आपको सूचित किया जाता है कि ——।
ग) सभी द्वारा जनहित के अनेक कार्य किए जा रहे हैं।

घ) सूचना आदि में जहाँ कर्ता निश्चित नहीं है। जैसे:-
पटरी पार करने वालों को सजा दी जाएगी।
ङ) असमर्थता बताने के लिए 'नहीं' के साथ जैसे :-
क) अब तो पत्र नहीं लिखा जाता।
ख) आजकल गरीब की बात नहीं सुनी जाती।

भाववाच्य के प्रयोग स्थल :

क) प्रायः असमर्थता या विवशता प्रकट करने के लिए 'नहीं' के साथ भाववाच्य का प्रयोग होता है।
जैसे :- अब खड़ा तक हुआ नहीं जाता।

वाच्य परिवर्तन → leave line in between

कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाने की विधि: → Start from new page.

क) कर्तृवाच्य के कर्ता की विभक्ति हटाकर कर्ता के

Scanned with CamScanner

साथ 'से' के द्वारा' या 'द्वारा' लगाना चाहिए।

ख) क्रिया के साथ 'जा' धातु की कर्म के लिंग, वचन, काल आदि के अनुसार प्रयोग करना चाहिए।

जैसे:- अशोक पुस्तक पढ़ता है। → कर्तृवाच्य
कर्ता कर्म क्रिया

→ अशोक द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है।
कर्ता विभक्ति कर्म क्रिया
लिं-स्त्री.लिं. स्त्रीलिंग

ग) आवश्यकता के अनुसार कभी-कभी कर्म की विभक्ति हटा दी जाती है और कभी-कभी कर्म की विभक्ति के साथ ही कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाए जाते हैं।
जैसे :-

कर्तृवाच्य - हम स्वामी दयानंद को नहीं भूल सकते।
कर्मवाच्य - हम से स्वामी दयानंद नहीं भुलाए जा सकते।
कर्तृवाच्य - माँ ने पुत्र को सुला दिया है।
कर्मवाच्य - माँ के द्वारा पुत्र को सुला दिया गया है।

कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य में रूपांतरण :

i) महात्मा गाँधी द्वारा राष्ट्र को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया।
कर्म.वा. महात्मा गाँधी ने राष्ट्र को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया।

ii) पुलिस के द्वारा कल रात कई चोर पकड़े गए।
कर्म.वा. पुलिस ने कल रात कई चोर पकड़े।

iii) कलाकार द्वारा मूर्ति गढ़ी जाती है।
कर्म.वा. कलाकार मूर्ति गढ़ता है।

iv) राजा द्वारा प्रजा का कष्ट दूर किया जाता है।
कर्म.वा. राजा प्रजा का कष्ट दूर करता है।

कर्तृवाच्य से भाववाच्य :

i) कर्ता के साथ 'के द्वारा' अथवा 'से' जोड़कर क्रिया को अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन में बदलकर। क्रिया के काल के अनुसार

Scanned with CamScanner

'जा' धातु का उचित रूप जोड़कर। जैसे :

क) बच्चे खेलेंगे।
बच्चों द्वारा खेला जाएगा।

ख) पक्षी आकाश में उड़ते हैं।
पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है।

ग) उठो, ज़रा टहलें।
उठो, ज़रा टहला जाए।

प्रश्न - अभ्यास

प्र-1 i) कर्मवाच्य में बदलिए :

क) चुनावों की घोषणा हुई।
चुनावों की घोषणा की गई।

ख) मंत्री जी कंबल बाँट रहे हैं।
मंत्री जी के द्वारा कंबल बाँटे जा रहे हैं।

ग) तानसेन को संगीत सम्राट कहते हैं।
तानसेन को संगीत सम्राट कहा जाता है।

घ) यह पुस्तक किसने लिखी है?
यह पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई है?

ii) कर्तृवाच्य में बदलिए।

क) पुलिस द्वारा चोर पकड़ा गया।
पुलिस ने चोर को पकड़ा।

Scanned with CamScanner

ख) मुझसे चला नहीं जाता।
मैं नहीं चलता।

ग) राम से पढ़ा नहीं जाता।
राम नहीं पढ़ता।

घ) सुरेश से हँसा नहीं जाता।
सुरेश नहीं हँसता।

iii) भाववाच्य में बदलिए -

क) बच्चे जागेंगे।
बच्चों के द्वारा जागा जाएगा।

ख) राम नहीं सोता।
राम से सोया नहीं जाता।

ग) मैं सर्दियों में शीतल जल से नहीं नहाता।
मुझसे सर्दियों में शीतल जल से नहीं नहाया जाता।

घ) मैं बैठ नहीं सकता।
मुझसे बैठा नहीं जाता।

प्र-2 निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त वाच्य का नाम लिखिए।
(प्रश्न गृहकार्य के लिए)
क) शेखर से भागा नहीं जाता। → भाव वाच्य
ख) किसान खेत में बीज बो चुका है। कर्तृवाच्य
ग) अपराधी से झूठ बोला जा रहा है। कर्मवाच्य
घ) चलिए, ज़रा चल कर देखा जाए। भाव वाच्य
ङ) कौवे से उड़ा जाता है। - भाव वाच्य